मक्का जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं | By Ehsas Kausar

ऐ खुदा ऐ खुदा, या खुदा मेरे खुदा .....

मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं
घर से जब निकलते हैं .....
मुफ़लिसों के दिल उनके सीनो में मचलते हैं
मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं

नाम ए मुस्तुफा लेकर घर से जो भी चलते हैं
घर से जो भी चलते हैं
देख कर उन्हें हादसे रास्ता बदलते हियँ
मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं

होता है करम जिन पे मोमिनो मुहम्मद का
मोमिनो मुहम्मद का
हाँ वो ही तो दुनिया में फूलते और फलते हैं
मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं

जिन चरागों को अनवर मुस्तुफा करें रोशन
मुस्तुफा करें रोशन
हाँ वहिधियो में भी वो चराग जलते हैं
मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं

ऐ खुदा ऐ खुदा, या खुदा मेरे खुदा .....

मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं
घर से जब निकलते हैं .....
मुफ़लिसों के दिल उनके सीनो में मचलते हैं
मक्के जाने को हाजी घर से जब निकलते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%ac/